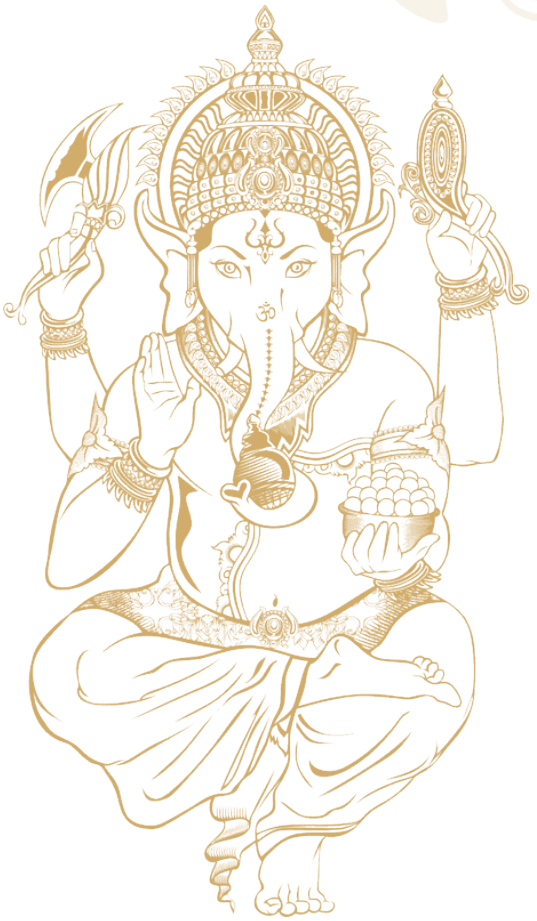

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119625602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
2-03/03/1964	जन्म तिथि	04/04/1969
सोम-मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 03:50:00	जन्म समय	15:45:00 घंटे
घटी 52:40:53	जन्म समय(घटी)	24:01:19 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Chandigarh Mandir
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	30:44:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:45:38	सूर्योदय	06:08:34
18:22:00	सूर्यास्त	18:42:55
23:21:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:25:39

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 12वर्ष 2मा 19दि	25:11:46	धनु	लग्न	सिंह	13:26:41	राहु 10वर्ष 3मा 15दि
बुध	19:01:16	कुंभ	सूर्य	मीन	21:02:22	बुध
23/05/2011	10:56:51	तुला	चंद्र	तुला	12:22:30	21/07/2014
22/05/2028	15:49:14	कुंभ	मंगल	वृश्चि	20:23:05	21/07/2031
बुध 19/10/2013	10:06:17	कुंभ	बुध	मीन	16:16:38	बुध 16/12/2016
केतु 16/10/2014	27:22:08	मीन	गुरु व	कन्या	06:00:43	केतु 14/12/2017
शुक्र 16/08/2017	01:23:09	मेष	शुक्र व	मीन	27:47:12	शुक्र 13/10/2020
सूर्य 22/06/2018	04:14:04	कुंभ	शनि	मेष	03:20:17	सूर्य 20/08/2021
चन्द्र 22/11/2019	15:30:05	मिथु व	राहु व	मीन	06:50:09	चन्द्र 19/01/2023
मंगल 18/11/2020	15:30:05	धनु व	केतु व	कन्या	06:50:09	मंगल 17/01/2024
राहु 07/06/2023	14:28:53	सिंह व	हर्ष व	कन्या	08:00:08	राहु 05/08/2026
गुरु 12/09/2025	24:26:08	तुला व	नेप व	वृश्चि	04:57:55	गुरु 10/11/2028
शनि 22/05/2028	19:35:49	सिंह व	प्लूटो व	सिंह	29:48:33	शनि 21/07/2031

लग्न-चलित

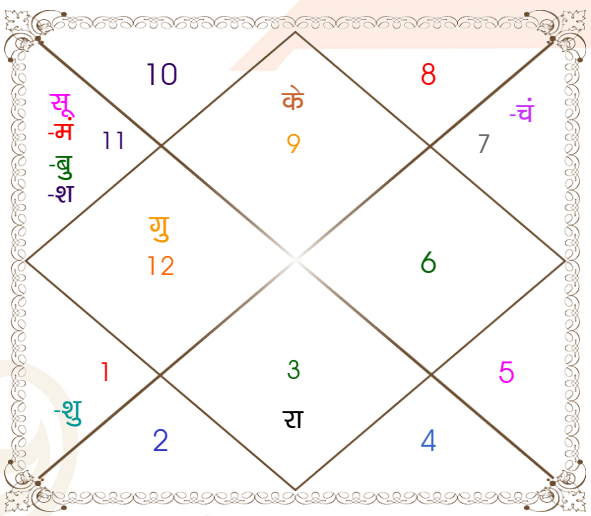

लग्न-चलित

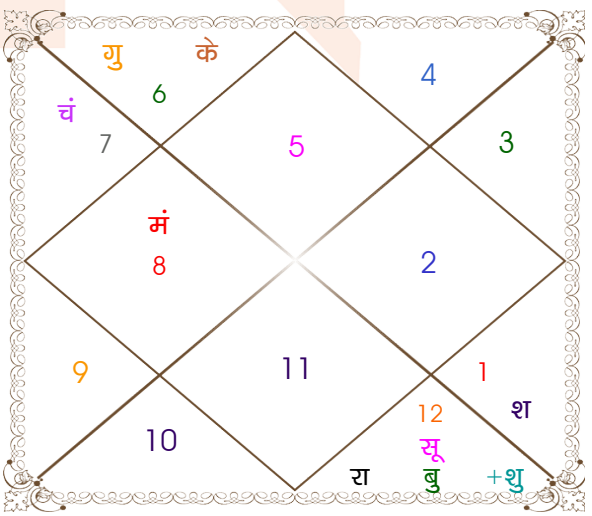

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।